Vijay Kumar Jha.
Asso Prof
Deptt in History.
V.S.J College Rajnagar.

Degree Part I,

Greek invasion on India.

छठी एवं चौथी शताब्दि ई०पू० मध्य उत्तर पूर्वी भारत में मगध साम्राज्य के नेतृत्व में राजनीतिक एकता कायम करने का प्रयास किया जा रहा था। उस समय उत्तर पश्चिमी प्रदेश कई छोटे राज्यों में बंटा था। इन प्रदेशों का आर्थिक एवं व्यापारिक महत्व अधिक था। ऐसी स्थिति में किसी भी शक्तिशाली और साम्राज्यवादी शक्ति का इस क्षेत्र में आकर्षित होना स्वाभाविक था अतः इसका परिणामस्वरूप भारत पर ईरानी एवं यूनानी आक्रमण हुआ।

ईरानी आक्रमण के बाद भारत पर यूनानियों का आक्रमण हुआ। यूनानियों के इस आक्रमण के नेता सिकन्दर महान् था। जिस समय सिकन्दर का आक्रमण हुआ उस समय भारत में नंद वंश का शासन था। सिकन्दर ईरानी आक्रमण से प्रभावित होकर चौथी सदी में भारत पर आक्रमण करने का निश्चय किया। जिस समय सिकन्दर भारत पर आक्रमण की योजना बनाई उस समय भारत में कुछ गणतंत्रात्मक राज्य थे और कुछ में राजतंत्रात्मक। ये राज्य आपस में संघर्ष कर रहे थे। (1) अस्पेसियन (2) गुरेइअन, (3) अस्सकेनीज (4) नीसा (5) पुष्करावती (6) तक्षशिला, (7) अभिसार (8) पोरस का राज्य (9) ग्लुचुकायन (10) गन्धारिस, (11) अद्रेज, (12) कठ (13) भगल ~~(14)~~ (14) सौभूत, (15) शिवि (16) क्षुद्रक (17) मालव (18) क्षत्रि (19) शुद्र (20) मूषिक (21) प्रोस्थ, (22) शाम्ब (23) पटल, (24) अम्बष्ठ

सिकन्दर मकदुनिया का शासक फिलिप का पुत्र था। वह बचपन से ही विश्व विजय का स्वप्न देखता था। 20 वर्ष के आयु में ही सिकन्दर के पिता का वध कर दिया गया। अतः पिता के मृत्योपरान्त 336 ई० पू० में मकदुनिया के सिंहासन पर बैठा। अब सिकन्दर विश्व विजय के योजना में लग गया। उसने सेना को दो भागों में बांटकर एक भाग का कमान अपने हाथों में रखा और काबुल के उत्तर पहाड़ी की ओर प्रस्थान कर गया। 326 ई० पू० में बिना किसी

Sunday 07

JULY 2019
Su Mo Tu We
1 2 3 4 5 6
7 8 9 10 11 12 13
14 15 16 17 18 19 20
21 22 23 24 25
28 29 30 31

Scanned with Cam

स्कोवर का सिकन्दर भारत मे प्रवेश कर गया। और सिमान्त प्रदेशों के कुछ राज्यों पर बिना युद्ध किये ही अधिकार कर लिया। सिकन्दर को सर्वप्रथम अस्पसिओई जाति से युद्ध करना पड़ा और इन्हें पराजित किया। तत्पश्चात् नीसा राज्य के आसपास वर्गों पर अधिकार किया और उससे अधीनता स्वीकार कराया। नीसा के बाद सिकन्दर मस्सक आम्भि, अभिसार, पोरस से युद्ध, ग्लोगानिकाई से युद्ध, कठोई से युद्ध कर समस्याओं से उबरता रहा। विजय प्राप्त करने क्रम मे ज्योंही सिकन्दर व्यास नदी के तट पर पहुंचा उसकी सेना आगे बढ़ने से इन्कार कर दिया। किन्तु लौटते समय उसने अनेक जातियाँ अगलस्स, क्षुद्रक, शौद्र, ब्राह्मण आदि को पदाक्रान्त किया। 325 ई० पू० में सिकन्दर अपने देश को प्रस्थान किया और मार्ग में ही अधिक भीषण ज्वर एवं अत्याधिक मदिरा पान के कारण 32 वर्ष कि आयु में स्वदेश पहुँचने से पूर्व ही उसकी मृत्यु हो गई। (ई० पू० 325)

सिकन्दर ने जो भी युद्ध लड़ा उसमे पोरस के साथ हुऐ युद्ध सर्वप्रमुख है। सिकन्दर तक्षशिला मे झेलम और चिनाब नदी के बीच स्थित पोरस कि राज्य कि ओर बढ़ा। पोरस भी एक वीर योद्धा था उसने असंख्य सैनिकों के साथ सिकन्दर का सामना किया। पोरस कि व्यूह रचना प्रणाली देखकर सिकन्दर चकित हुआ। सिकन्दर भी अपनी सेना को दो भागों में बांटकर पोरस को चकमा देकर झेलम नदी पार कि पोरस को सिकन्दर के इस गुप्त अभियान का पता नहीं चल सका और पोरस सिकन्दर के सेना को रोकने में विफल रहा। पोरस कि सेना वीरता के साथ लड़ी किन्तु पराजित हुई पोरस को बन्दी बना लिया गया और उसके साथ कैसा व्यवहार किया जाय यह पूछा गया। पोरस पूर्ण वीरता से जवाब दिया कि जैसा एक राजा को दूसरे राजा के साथ करना चाहिए। सिकन्दर पोरस के इस जवाब से काफी प्रभावित हुआ और उसने पोरस के राज्य वापस कर दिये। और उससे मित्रता कर ली पुनः आगे के विजय अभियान मे पोरस ने सिकन्दर को सहयोग किया।

पोरस कि पराजय के कारण — प्राकृतिक कारण, धनुषबाणों का बेकार हो जाना, भारतीय शासकों द्वारा सिकन्दर का सहयोग, रथों के अशीघ्र, भारतीय हाथियों का भड़कना तथा सिकन्दर

Scanned with Cam

रणकौशल्या से पौरस कि पराजय हुई।

सिकन्दर के आक्रमण का प्रभाव :—

(I) आपसी फूट का प्रदर्शन, (II) इतिहास कि तीथी निर्धारण में सहायता (III) राजनीतिक एकता का प्रारम्भ, (IV) यूनानी राज्यों कि स्थापना (V) दोषपूर्ण युद्ध नीति का ज्ञान।

आर्थिक प्रभाव —

(I) नये मार्गों का ज्ञान, (II) व्यापार को प्रोत्साहन, (III) मुद्रा पर प्रभाव

सांस्कृतिक प्रभाव :—

(I) भारतीय कला पर प्रभाव, (II) भाषा एवं साहित्य पर प्रभाव (III) ज्योतिष पर प्रभाव, (IV) चिकित्सा पर प्रभाव।

वस्तुतः यूनानी आक्रमण का प्रभाव विस्तृत रूप से पड़ा जिससे भारत अपनी प्राचीन संस्कृति कि रक्षा करते हुए यूनानी संस्कृति से परिचित हुए जिससे भारत ज्योतिष एवं चिकित्सा शास्त्र के रूप में बहुत कुछ सीख पाये। भारतीय संस्कृत में प्रमुख होराचन्द्र शब्द यूनानी भाषा के होरेसकोपम से लिया गया है जो होरोस्कोप यानि जन्मकुण्डली बना। भारत में आयुर्वेद के साथ एक नवीन चिकित्सा पद्धति का विकास हुआ जिसे यूनानी चिकित्सा पद्धति कहा जाता है।

अतः बचपन में जो स्वप्न सिकन्दर ने देखा था वह पुरा हुआ, किन्तु अपने वीरता का सदैव परिचय दिया। अपनी उदार भावना के कारण सिकन्दर ने विजित प्रदेश को पुनः वापस देकर उदारता का परिचय दिया है। इतिहास में सिकन्दर और पोरस का युद्ध काफी ख्यातिपूर्ण रहा है।

Scanned with Cam